वार्षिक रिपोर्ट एटीएस 2018

आतंकवाद से सम्बन्धित गिरफ्तारियॉ

ISIS(JK) (गिर0- 1)

दिनॉक 5-02 2018 को ISIS (JK) से सम्बन्धित शेख अली अकबर उर्फ बाबू पुत्र स्व0 जफर अली नि0ग्राम कसेरा पोखरा थाना जमनिया जनपद गाजीपुर, जो कश्मीर में गिरफ्तार आतंवादियों का सहयोगी था, को गिरफ्तार किया गया। यह कश्मीर में गिरफ्तार आतंकवादियों से सम्बन्धित था तथा उत्तर प्रदेश से हथियार खरीद करके आतंकवादियों को भेजने का प्रबन्ध कर रहा था।

JMB (जमात- उल-मुजाहिद्दीन बांग्लादेश) - (गिर0 -2)

मुशर्रफ हुसैन उर्फ़ मूसा - रूबेल अहमद उर्फ़ मनीर इस्लाम

24 जुलाई 2018 को पश्चिम बंगाल पुलिस एवं एटीएस उ0प्र0 की संयुक्त कार्यवाही के दौरान जमात-उल-मुजाहिद्दीन बंगलादेश के दो सक्रिय सदस्यो रुबेल अहमद उर्फ मनीर उल इस्लाम एवं मुशर्रफ हुसैन उर्फ मुसा उर्फ तेजेरुल इस्लाम निवासीगण बंग्लादेश को नोएडा से गिरफ्तार किया गया। यह दोनो कलकत्ता एसटीएफ द्वारा पूर्व में गिफ्तार जमात-उल-मुजाहिद्दीन बांग्लादेशी आतंकी संगठन के आइसूर पुत्र अब्दुल गफ्फार तथा जमशेर अली उर्फ रियाद हुसैन पुत्र अब्दुल जब्बार निवासीगण बांग्लादेश से सम्बन्धित थे।

HM (हिजबुल-मुज्जाहिद्दीन)- (गिर0- 1)

13 सितम्बर 2018 को एटीएस उत्तर प्रदेश द्वारा हिजबुल-मुज्जाहिद्दीन से सम्बन्धित क़मर-उज-ज़मा उर्फ डा0 अबु हुरैर पुत्र सैदुल हुसैन उर्फ इब्राहिम निवासी ग्राम एराकपिली निकट जमुनामुख हास्पिटल डेली बाजार रोड़ पोस्ट जमुना मुख थाना जमुनामुख होजाई आसाम को कानपुर नगर से गिरफ्तार किया गया ।क़मर-उज-ज़मा जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ा जनपद के आतंकी जहाँगीर सुरुरी एवं इनके अन्य साथियों से सम्बन्धित था तथा इनके साथ काफी दिनों तक रहकर ट्रेनिंग लिया और इन्ही के निर्देश पर आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए कानपुर आया था । कानपुर में रेलवे स्टेशन रोड़ स्थित सिद्धी विनायक मंदिर इसके निशाने पर था जिसकी रैकी इसके द्वारा की गयी थी ।

जासूसों के विरूद्व कार्यवाही- (गिर0-3)

1. 22 मई 2018 को सेना की गोपनीय सूचनाओं की जासूसी कर ISI को देने के आरोप में रमेश सिंह पुत्र आन सिंह निवासी खेतार कन्याल, देवी सुना फिरौली थाना डीडी हाट जिला पिथौरागढ उत्तराखण्ड को गिरफ्तार किया गया । जो एक अधिकारी के साथ व्यक्तिगत रुप से काम करता था तथा उस अधिकारी के पाकिस्तान में नियुक्ति के दौरान साथ पाकिस्तान गया था वही पर (ISI) की गतिविधियों में संलिप्त हो गया तथा उस अधिकारी के पास से राष्ट्रीय सुरक्षा सम्बन्धी गोपनीय दस्तावेजों आदि ISI को उपलब्ध करा रहा था ।
2. 18 सितम्बर 2018 को एटीएस उ0प्र0 द्वारा सेना की गोपनीय सूचनाएं ISI को देने के आरोप में आरक्षी अच्युतानन्द मिश्रा पुत्र सुरेन्द्र प्रसाद मिश्र निवासी ग्राम मड़वा, थाना गोविन्द नगर, जनपद रीवा, मध्य प्रदेश हालपता- बीएसएफ एकेडमी टेकन पुर ,ग्वालियर, मध्य प्रदेश को नोएडा से गिरफ्तार किया गया । इसके द्वारा पीआईओ को अपनी स्वयं की फोटो के अतिरिक्त सरकारी पिस्टल, हैण्ड ग्रेनेड एवं अपनी बटालियन के मुख्यालय के बिंल्डिंग की फोटो व एक वीडियों भी भेजा गया था ।

3. 18.10.2018 को गोपनीय सूचनाओं की जासूसी कर ISI को देने के आरोप में एटीएस उ0प्र0 द्वारा एटीएस महाराष्ट्र के सहयोग से नागपुर स्थित एक रक्षा प्रतिष्ठान के इंजीनियर निशान्त अग्रवाल पुत्र डा0 प्रदीप कुमार अग्रवाल निवासी म0न0- 51 गली न0- 07 उज्जवल नगर नागपुर, महाराष्ट्र को नागपुर, महारास्ट्र से गिरफ्तार किया गया । इसके द्वारा ब्रह्मोस से सम्बन्धित सभी संवेदन सूचनाओं को PIO को उपलब्ध कराया गया ।

Naxal से सम्बन्धित (गिर0-1)

22 मार्च 2018 को नक्सल का एरिया कमाण्डर कृष्ण मुरारी उर्फ महादेव नि0 जनपद मिर्जापुर को जनपद चन्दौली से गिरफ्तार किया गयाइसके पास से एक अदद पिस्टल व कारतूस बरामद हुए थे यह प्रतिबंधित संगठन MCC (Maoist communist Centre) का सक्रियसदस्य था। तथा वर्ष 2017 से बिहार जनपद गया से वांछित था।

Terror Funding से सम्बन्धित (गिर0-11)

मार्च 2018 में Terror Funding Network से सम्बन्धित अभियुक्त उमाप्रताप सिंह उर्फ सौरभ, मुकेश प्रसाद, मुशर्रफ अंशारी, अंकुर राय, दयानन्द यादव, नसीम अहमद, नईम अहूद, संजय सरोज, नीरज मिश्र एवं शाहिल मसीह को रीवा (म0प्र0), गोरखपुर, प्रतापगढ एवं लखनऊ से गिरफ्तार किया गया।

19 जून 2018 को Terror Funding Network से सम्बन्धित वॉछित अभियुक्त रमेश शाह उर्फ त्यागी बाबा पुत्र हरी शंकर शाह नि0 जंगलतुलसीराम बिछिया विवेक नगर पो0 पीएसी कैंप्प थाना शाहपुर शिवपुर गोरखपुर को पुणे महारष्ट्र से गिरफ्तार किया गया।

FICN से सम्बन्धित-(गिर0-6)

वर्ष 2016 में नोट बन्दी के फलस्वरुप उच्च क्वालिटी की भारतीय जाली मुद्रा के संचालन में प्रभावी नियंत्रण लग गया है। इसके पश्चात जो भी जाली मुद्रा का की बरामदगी हुई है वह सभी प्रिंटर व स्कैनर से सम्बन्धित है, तथा कोई भी उच्च क्वालिटी की जाली मुद्रा नही है। एटीएस द्वारा जाली मुद्रा से सम्बन्धित बरामदगी/गिरफ्तारी का विवरण निम्नवत है -

1. 06 अक्टूबर 2018 को एटीएस एवं जनपद मऊ पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में अभियुक्त 1- मो0 तालिब अंसारी पुत्र मतलू अंसारी निवासी मुंशीपुरा नई बस्ती थाना कोतवाली नगर, मऊ 2- मो0 मंसूर पुत्र मो0 अफजाल निवासी 121 मलिक ताहिरपुरा थाना कोतवाली नगर, मऊ 3- मो0 उस्मान पुत्र कमालुद्दीन निवासी मुंशीपुरा नई बस्ती थाना कोतवाली नगर, मऊ को आजमगढ़ से गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जेसे 1,39,300/- रु0 जाली मुद्रा बरामद की गयी।
2. 11 अक्टूबर 2018 को एटीएस उ0प्र0 द्वारा अभियुक्ता श्रीमती अनीता गुप्ता पत्नी घनश्याम गुप्ता निवासी बांदा रोड़ इंजीनियरिंग कालेज के पास कस्बा व थाना अतर्रा बांदा को गहमर गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 3,00,000/- रु0 जाली मुद्रा बरामद की गयी।
3. 12 अक्टूबर 2018 को एटीएस उ0प्र0 द्वारा जाली मुद्रा से सम्बन्धित अभियुक्त घनश्याम गुप्ता पुत्र स्व0 केदार नाथ गुप्ता निवासी बांदा रोड़ इंजीनियरिंग कालेज के पास कस्बा व थाना अतर्रा बांदा को गिरफ्तार किया गया।
4. 17 अक्टूबर 2018 एटीएस उ0प्र0 द्वारा अभियुक्त हंसराज कुमार यादव पुत्र नरेश यादव निवासी जमालपुर बढैया नदी टोला पर सिरसी थाना अठमन गोला पटना, बिहार को जनपद चन्दौली के चकिया थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से 3,40,000/- रु0 की जाली मुद्रा बरामद की गयी।

फर्जी ID एवं दस्तावेजों के आधार पर अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी गिरोह – (गिर0-4)

1. 2 जनवरी 2018 को बाग्लादेशियों को पासपोर्ट बनाने वाले 3 व्यक्तियों 1- यूसुफ अली नि0 बंग्लादेश, 2- अहसान अहमद 3- बसीम अहमद निवासीगण- देवबन्द उ0प्र0 को गिरफ्तार किया गया।
2. 4 जनवरी 2018 को पासपोर्ट अधि0 में वॉछित अभियुक्त जहीर उर्फ जहीरूल इस्लाम नि0 बंग्लादेश को कोलकाता से गिरफ्तार किया गया।

अवैध Sim Box (टेलीफोन एक्सचेंज) – (गिर0-6)

1. भारत में विदेशों से कॉल करने के लिए अवैध रूप से समानान्तर टेलीफोन एक्सचेन्ज चलाकर विदेश से प्राप्त इण्टरनेट कॉल को Sim Box के माध्यम से Voice Call में बदल कर विदेश में बैठे व्यक्ति से बात करायी जाती है जिसमें बात करने वाले व्यक्ति को विदेशी नम्बर के स्थान पर India का ही नम्बर दिखता है, जिससे राष्ट्र की सुरक्षा को खतरा पहुॅचाने के साथ साथ आर्थिक नुकसान भी पहुॅचाया जा रहा था। इस दिशा में निम्न कार्यवाही की गयी :
2. 19 जनवरी 2018 को अवैध इण्टरनेट कालिंग रैकेट के 6 सदस्यों 1- रामप्रताप सिंह, 2- विजय शर्मा, 3 राम सिंगार सिंह, 4- सन्तोष सिंह, 5- हरिकेश बहादुर सिंह, 6- बृजेश पटेल निवासीगण- कुशीनगर को गिरफ्तार किया गया। ये लोग VOIP (Voice over Internet Protocol) डायलर करते थे।

अन्य गिरफ्तारियॉ-(गिर0-8)

1. 2 जनवरी 2018 को छद्म नाम (अविनाश कुमार) से रहकर जालसाजी करने वाले अभियुक्त कामरान रजा को वाराणसी से गिरफ्तार किया गया।
2. 3 नवम्बर 2018 को मियामी एअर पोर्ट पर हमले की धमकी देने वाले जालौन के युवक के विरुद्ध कार्यवाही। इसके द्वारा VOIP कॉल के माध्यम से धमकी दी जा रही थी।पूछताछ में बताया कि मेरे द्वारा Bitcoin (Virtual Money) मेंहुए नुकसान की रिपोर्ट की कार्यवाही FBI द्वारा न करने के कारण VOIP कॉल से धमकी दी गयी थी विवेचना प्रचलित है।
3. 7 नवम्बर 2018 को मु0अ0सं0 222/16 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्ता राजेन्द्र यादव पुत्र नाथू राम यादव निवासी मडोर थाना ओरछा जनपद टीकमगढ़, म0प्र0 हालपता सी-कालोनी आरा मशीन थाना बबीना, जनपद झांसी को (उ0नि0 श्री देवी सिंह) एटीएस टीम झांसी द्वारा गिरफ्तार किया गया।
4. दिनांक 26.12.2018 को एटीएस तथा एनआईए की संयुक्त कार्यवाही में हरकत-उल-हर्ब-ए-इस्लाम के सक्रिय सदस्य 1. मुक्ति मोहम्मद सुहेल उर्फ हजरत पुत्र हफीज अहमद, निवासी जाफराबाद, दिल्ली, 2. मो0 इरसाद पुत्र इस्तियाक, निवासी मोहल्ला काजी जद्दा, अमरोहा व 3. सईद अहमद, 4. रईस अहमद पुत्रगण को अमरोहा से तथा 5. इमाम साकिब इफ्तेकार को हापुड से गिरफ्तार कर उनके पास से देशी राकेट लांचर, पोटैशियम नाइट्रेट, पिस्टल, सिम, फोन, लैपटॉप, अलार्म घडी, बम बनाने की पाईप आदि बरामद किया गया। इस सम्बन्ध में एनआईए में अभियोग पंजीकृत होकर विवेचना प्रचलित है।

शीर्षक	संगठन शीर्षक	अभियुक्तों की संख्या
आतंकवाद से सम्बन्धित गिरफ्तारियॉ	ISIS	1
	JMB	2
	HM	1
जासूस	ISI	3
NAXAL		1
Terror Funding		11
FICN		6
अन्य गिफ्तारियाँ	अवैध बंग्लादेशी	4
	अवैध Sim Box	6
	अन्य	8
योग		**43**

आंतकवादी घटनाओं एवं अन्य मामलो से सम्बन्धित 04 प्रकरणों में मान. न्यायालय से सजा भी दिलवाई गयी।

De-Radicalization

वर्ष 2016 के माह नवम्बर से ऐसे व्यक्ति जो जेहादी विचारधारा से प्रभावित होकर समाज की मुख्य धारा से भटक गये थे, उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोडने के लिए De-Radicalization की योजना प्रारम्भ की गयी है इसके लिए उनके परिजन मित्र धर्मगुरूओं के साथ मिलकर ए0टी0एस0 द्वारा परामर्श (Counseling) दी जाती है। इस दिशा मे उ0प्र0 ए0टी0एस0 द्वारा De-Radicalization हेतु अब तक 53 व्यक्तियों को चिंहित कर समाज में पुर्नव्यवस्थापन की कार्यवाही प्रचलित है।

Capacity building

- वर्ष 2018 में एटीएस की कार्यक्षमता एवं सुदृढीकरण के लिए जनशक्ति सृजित 571 पदो के सापेक्ष 311 कर्मियों की नियुक्ति व स्पॉट में सृजति 694 पदो के सापेक्ष 155 कर्मियों की नियुक्ति की जा चुकी है। शेष पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रचलित है, तथा 34 चार पहिया वाहन एवं 50 दो पहिया वाहन उपलब्ध कराये गये।
- **एटीएस की आप्स टीम, फील्ड यूनिट तथा एक्सपर्ट सेल का गठन-** एटीएस की जनशक्ति में शासन द्वारा काफी वृद्धि की गयी है जिसके फलस्वरूप एटीएस अपनी कार्य क्षमता, कार्य कुशलता तथा विशेषज्ञता में निपुणता हासिल करने के दृष्टिकोण से प्रत्येक आतंकवादी संगठनों से सम्बन्धित एक विशेष आप्स टीम बनायी गयी है तथा इन आप्स टीमों के कुशल संचालन हेतु कई एक्सपर्ट सेल तथा उत्तर प्रदेश के लगभग सभी संवेदनशील/महत्वपूर्ण जनपदों के मुख्यालय में फील्ड़ यूनिट स्थापित की गयी है।
- एटीएस में आपरेशनल कार्यो में लगे सभी कर्मियों को अपरिहार्य एवं आपात स्थिति में आवागमन हेतु व्यवसायिक फ्लाईट से यात्रा करने की स्वीकृति प्रदान की गयी।
- **Social Media Lab-** एटीएस मुख्यालय में स्थापित सोशल मीडिया लैप के माध्यम से एटीएस की अभिसूचना संकलन की क्षमता को कई गुना बढ़ाया गया है। सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर चल रही आमजनों की परिचर्चा से

सकारात्मक एवं नकारात्मक तथ्यों को निकाल कर उन पर प्रभावी कार्यवाही करके कई अप्रिय घटनाओं को समय रहते रोका गया।

इस लैब में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग हेतु कई अत्याधुनिक टूल्स (सॉफ्टवेयर) का प्रयोग किया जा रहा है।

SOP (Standard Operating Procedure)

- एटीएस के संचालन के लिए मानक परिचालन प्रक्रिया (SOP) निर्धारित की गयी है इस लिखित SOP से ATS के प्रत्येक सदस्य को अपने दायित्व के निर्वाहन के बारे में स्पष्ट जानकारी व एटीएस के कार्यों को आसान बनाने और उसमें एकरुपता लाने के लिए स्पष्ट एवं विस्तृत दिशा निर्देश दिए गये है।

SPOT का गठन

- NSG की तरह राज्य स्तर पर एटीएस के अन्तर्गत कमांडो इकाई SPOT(Special Police Operation Team) का गठन अक्टूबर 2017 में किया गया है, जो खतरनाक ऑपरेशन को विशेषज्ञ तरीके से करने में सक्षम होगी इसमें 694 पद स्वीकृत किये गयें हैं।
- एटीएस के तत्वाधान में संचालित SPOT प्रिशक्षण केन्द्र लखनऊ में BSF, CRPF, CISF, ITBP, तेलंगाना पुलिस तथा पंजाब पुलिस के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के सहयोग से भी प्रिशक्षित कराया गया है।
- जनपदीय पुलिस की कार्य क्षमता को बढाने के और उनको वर्तमान में आपराधिक चुनौतियों को सामना करने के दृष्टिकोण से जनपदीय SWAT (Special Weapons and Tactics) टीम को प्रशिक्षित कराया जा रहा है। अब तक जनपद – आगरा,मथुरा,मुरादाबाद, मिर्जापुर तथा बनारस के SWAT टीमों को जनपद स्तर के आपराधिक एवं आतंकवादी घटनाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित कर भेजा गया। वर्ष 2019 में भी इसी प्रकार की 6 SWAT टीमें तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।

- यूपी पुलिस की पहली Snipers Team की 4 टोलियां तैयार कर ली गयी है जिसका प्रशिक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) मानेसर में करायी गयी है। Snipers Team बनने के पश्चात यूपी पुलिस की दक्षता एवं प्रभावशीलता में अभूतपूर्ण वृद्धि होगी।
- जनपदीय पुलिस कर्मियों की टैक्टिस में सुधार हेतु Training Of Trainers Course (TOT) का आयोजन प्रस्तावित है।

<u>Cyber Training Facility</u>

- साइबर अपराध से सम्बन्धित मुकदमों की विवेचनाओं के सफल निस्तारण हेतु पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करनें हेतु यूपी एटीएस में "साइबर मंथन"Cyber Training Facility का शुभारम्भ किया गया है।

- Social media Platform एवं Data Security के सम्बन्ध में "साइबर मंथन" हॉल में Social Media Data Breach Scandals का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इस क्षेत्र के विशेषज्ञों एवं प्रवक्ताओं द्वारा मंथन/कान्फ्रेंस की गयी जिससे भविष्य में डेटा सुरक्षा एवं Social Media प्रयोग को किस प्रकार सुरक्षित बनाया जाये।
- साइबर अपराध एवं आधुनिक सर्विलांस (सीडीआर/टावर डम्प एनालाईज, इन्टरनेट कॉलिंग) आदि के सम्बन्ध में प्रदेश के अन्य जनपदों के पुलिस कर्मियों को यूपी एटीएस द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिससे जनपद स्तर पर अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगेगा।